... ...		॥)
	गंगाप्रसाद भौतिका	।)
	मुन्नीलाल	१)

खेती और पशुपालन

१—भारत की उपज	रमाशंकर सिंह 'मृदुल'	२॥)
२ सागसब्जी	कार्त्तिकेयचरण मुखो०	१॥।)
३—बाग बगीचा	"	२॥)
४—गोपालन शास्त्र और पशु रोगों की चिकित्सा	गिरीशचन्द्र जोशी	२॥)
५—खाद	मुख्तारसिंह वकील	१॥।)
६—भारत में कृषि सुधार	दयाशंकर दूबे	२॥)

धार्मिक

१—भक्तियोग	अश्वनीकुमार दत्त	३।)
२—रामचरित मानस की भूमिका	रामदास गौड़	५॥)
३—चित्रमय हरिश्चन्द्र	... ...	१=)
४—हिन्दी महाभारत सचित्र	रमाकान्त त्रिपाठी	६)
५—भजन प्रकाश	एक भगवद् भक्त	=)
६—हरिकीर्तन भजनावली	... ...	=)॥
७—भजनमाला	"हरि"	।=)
८—गोपाल सहस्रनाम मूल	....	॥।)
९—विष्णु सहस्रनाम मूल	... ...	॥)
१०—आरती संग्रह	... ...	≡)
११—भजन संग्रह पाँच भाग	भजनाश्रम नवद्वीप प्रत्येक	≡)॥
१२—दारूका भजन संग्रह	भगवती प्रसाद दारूका	१।)
१३—प्रेमसागर छोटा	लल्लूलाल	२)
१४—रामायण अयोध्याकाण्ड भा० टी०	बाबूराम मिश्र	२)
१५— " अरण्यकाण्ड "	"	॥।=)
१६— " किष्किन्धाकांड "	"	॥=)

१६—रामायण उत्तरकाण्ड भा० टी०	बाबूराम मिश्र	॥≡)
२०— ,, सुन्दरकाण्ड मूल	चोखानीजी	॥≡)
२१— ,, किष्किन्धाकाण्ड मूल	,,	॥≡)
२२—भजन संग्रह	,,	५)
२३—मनुस्मृति भा० टीका	जनार्दन झा	४॥) + ५)

स्त्रियोपयोगी

१—आदर्श पाकविधि	गिरीशचन्द्र जोशी	४)
२—सूई शिल्प शिक्षा	उपेन्द्रनाथदास गुप्ता	१॥)
३—सहेलियों के पत्र	रमाशंकर सिंह	२)
४—महिला मण्डल	बैजनाथ केडिया	१॥)
५—धुलाई रँगाई विज्ञान	शिवचरन पाठक	२)
६—नारी रहस्य	छविनाथ पाण्डेय	॥=)
७—जेवनार	सत्यवती द्विवेदी	॥≡)
८—सावित्री सत्यवान	कार्त्तिकेयचरण मुखो०	॥)
९—शैव्या-हरिश्चन्द्र	,,	॥)
१०—सीता देवी	,,	॥)
११—सती पार्वती	,,	॥)
१२—नल-दमयन्ती	,,	॥)
१३—सती शकुन्तला	,,	॥)
१४—देवी द्रौपदी	,,	॥)
१५—पतिव्रता अरुन्धती	जगदीश झा "विमल"	॥)
१६—पतिव्रता रुक्मिणी	,,	॥)
१७—पतिव्रता मनसा	,,	॥।)
१८—महासती अनुसूया	,,	॥।)
१९—महासती वृन्दा	,,	१॥)
२०—भारतीय वीरांगनाएँ	रामसिंह वर्मा	१॥)
२१—चतुर चन्द्रा (कहानी)	बैजनाथ केडिया	॥=)

बालकोपयोगी जीवनियां

ॐ

वेदान्त बारहमासा ।

प्रार्थना शिष्य की

१ चैत्र

चैत्र चतुर मुमु क्षुजन एक शरण गुरां की आया जी । प्रश्न कियो कर जोड़ निकट व्है पाद पद्म शिरनाया जी । त्रिविध ताप संताप करै उर तृष्णा ने बहुत सताया जी । श्री गुरू देव दीन लखि मुझ को करो कृपा करि दाया जी ॥ १ ॥

२ बैशाष

उपदेश गुरुका

बैशाष बिचार कहन गुरु लागे नित प्रातः स्नान करो। संध्या कर एकांत बैठ नित त्रिपदा का उर ध्यान धरो। पूजन तर्पण बैश्व देव ऽतिथी पंच यज्ञानित कर्म करो। जरै दोष बिक्षेप मलादिक तौ पथ ज्ञान के पांव धरो॥ २॥

३ ज्येष्ठ

प्रार्थना शिष्य की

ज्येष्ठ जगत के सुख के सब साधन कर्म उपासन ध्यान गुरो । मैं निष्काम किये ये सबही नहीं कछु सुख को भान गुरो । सताचित आनंद रूप हमारो वेद करे इमगान गुरो । श्री गुरुदेव भेवन ही जान्यो मैं दुःखी दीन अजान गुरो ॥ ३ ॥

४ आषाढ

उपदेश गुरुका

आषाढ हर्ष प्रसन्न भये गुरो जान्यो शिष्य अधिकारी है। है गुरु भक्त बिरक्त शांत चित अज्ञा यथोचित कारी है। शम दम श्रधा उपरति तितिक्षा मोक्ष इच्छा उरभारी है। सच्चिदानंद लख्यो उर चाहत दोष रहित ब्रह्मचारी है ॥ ४ ॥

५ श्रावण

उपदेश

श्रावण शमन कियो मन चाहे बिषवत बिषय बिसारे जी । अहर निश पढे अध्यात्म विद्या क्षमा दया उर धारे जी । तत्व ज्ञान मन नाश बासना क्षयकर ताप निवारे जी । सच्चिदानंद स्वरूप लखे जब षढ उरमी दुःख टारे जी ॥ ५ ॥

६ भादों

उपदेश

भादों भ्रम मिटावन के हित गुरु मुखतें श्रुति श्रवन करे। जब अवकाश देखे गुरू के ढिग श्रवण किया सोई मनन करे। कर निद ध्यासन विकलप रहित चित तव सूक्षम दृग दृष्टि पढे। सच्चिदानंद स्वरूप तिहारो देसकाल बरतते परे॥ ६ ॥

स्वरूप तिहारो दसकाल बरतत पर ॥ ६ ॥

७ आश्विन

उपदेश

आश्विन आतम भिन्न अनातम जो दृग दृष्टी आवे जी । सो सब बुद्धी बिलास सुषुप्ती में लीन जगत होजावे जी । पंच कोश मन बुद्धी बर्ग जड़ इनकर नजर न आवे जी । सच्चिदानंद स्वरूप तिहारो स्व अनुभव ही से पावे जी ॥ ७ ॥

८ कार्तिग

उपदेश

कातिग काम करन युत बुद्धी तामें चैतन बिम्ब परै। सुख दुःख इच्छा धर्मादिक को बुद्धि ही आकर धरे। मति अध्यस्त आप चैतन मे तूसा क्षीमन बुद्धी परे। सच्चिदानंद स्वरूप तिहारो शोक मोह जन्मादि परे ॥ ८ ॥

९ मंगसिर

उपदेश गु०

मंगाशिर मनके मारन कारण प्रथम तो सत्संग करै। फिर अभ्यास बैराज्ञादिक कर आसा तृष्णा के प्राण हरै। मारे काम क्रोध मद मत्सरतानि ब्रती सो प्रीति करै। तत् पद त्वं पद वाच्य भाग तज असी पद लक्ष अभेद करै ॥ ९ ॥

पौष १०

उपदेश गु०

पौष परम गति पावै सोई जेहि सत्संगत प्यारा है। पाप कटत सत्संगत से चित बिमल बोध उजीयारा है। सत्संगत पथमुक्ति होन को श्रुति ने टेर पुकारा है। त्रिबिध ताप उर त्रिबिधि पाप कटबै को सत्संगति आरा है॥ १०॥

११ माघ

कहना शिष्य का

माघ मगन शिष्य कहन अब लागो पायो मैं परमा-
नंद गुरो । ज्यों मृगराज बिसार प्राक्रम चुगे अजा
के संग गुरो । त्यों जड़ इन्द्रियन के बसमें पडो मोह
के फंद गुरो । मैं नहीं जीव ब्रह्म परि पूरण भूमा
सच्चिदानंद गुरो ॥ ११ ॥

१२ फाल्गुण

फागुण फिर कर अमर नाथ से काशी का ब्रह्म चारी है। रहो चौमासा लाहौर शहर में तिन प्रश्न कियो हितकारी है। स्वामी जी पास अनँत आश्र म के शिष्यभाव अधिकारी है। सच्चिदानंद स्व रूप नाम जिन यह बारहमासि उचारी है॥ १२॥

समाप्त।

कवित्त ।

ग्रहीजे दरिद्री भये सग्रही सन्यासी भये योगी संयोगी मन्माया में मिलाया है । तपस्वी रोजगारी ब्यभीचारी ब्रह्मचारी भये कपट को स्वांग बहुलोगन बनाये है । सूम भये स्वामी पुन सेवक जो हरामी भये कामी भये पंडित जिन मांगनाही ठहरायो है । कीजिये सहाय जू कृपाल श्री गोविन्द लाल कठिन कराल कलिकाल चढ आयो है ॥ १ ॥

सूचना

इस पुस्तक को ग्रंथ कर्ता की आज्ञा बिना न छपावैं।

४—प्रकृति सौन्दर्य		
५—आदर्श अंग्रेजी शिक्षा	रामलोचन शरण	॥)
६—बँगला शिक्षक	कार्तिकेयचरण मुखोपा०	।॥)
७—आरम्भिक शिक्षा	रामदास गौड़	≡)॥
८—सचित्र भारत	रमाशंकर सिंह	२)
९—प्रेम पत्र	गिरीशचन्द्र जोशी	२)
१०—नवीन सन्तति शास्त्र	सैयद कासिम अली	३)
११—मारवाड़ी गीत ४ भाग	... . प्रत्येक	।)
१२—युरोप में सात मास	धर्मचन्द खरावगी	३)

पाठ्यक्रम की पुस्तकें

शिशुवर्ग—अ श्रेणी (प्रथम छः मास)

१—वर्णमाला या	श्री दामोदर प्रसाद	॥=)
वर्णवाटिका १ला भाग	ठाकुर रामाशीष सिंह	।)
२—अङ्क प्रकाश	....	=)॥
३—रामायण वर्णमाला	रामनिरञ्जन शर्मा	।॥)

शिशुवर्ग—ब श्रेणी (द्वितीय छः मास)

१—वर्णमाला	श्री दामोदर प्रसाद	॥=)
२—वर्ण वाटिका २-रा भाग	श्री रामाशीष सिंह	।≡)
३—बाल नीति कथा	पं० रमाकान्त त्रिपाठी	।॥=)
४—भोपट भोला	श्री रामनिरञ्जन शर्मा	।=)
५—मकुआ-मोहन	,, ,,	।≡)
६—बाल प्रार्थना	....	।)
७—बाल भजनमाला	श्री रामकुमार गोयनका	=)॥
८—व्यापार गणित १ला भाग	श्री रामकिशोर अग्रवाल	≡)।
९—हिन्दी लिपि बोध १ला भाग	....	।)॥

कक्षा १ली (Class I)

१—बाल वाटिका १ला भाग	श्री सूर्यदेव ओझा बी० ए०	।॥)
२—बाल श्रीराम कथा	श्री कार्तिकेयचरण मुखो०	।॥-)
३—मीठी-मीठी कहानियाँ	श्री बैजनाथ केडिया	।॥)

—बाल प्रार्थना	....	I)
—बाल भजनमाला	श्री रामकुमार गोयनका	=)II
—व्यापार गणित २रा भाग	श्री रामकिशोर अग्रवाल	I)
—कन्याकौमुदी १ली कला	श्री रामदास गौड़ एम० ए०	II)
—हिन्दी लिपि बोध २रा भाग	....	I)III

२री कक्षा (Class II)

—बाल वाटिका २रा भाग	श्री सूर्यदेव ओझा	१≡)I
या	बी० ए० बी० एल०	
बाल साहित्य १ला भाग	पं० भुवनेश्वर मिश्र एम० ए०	II≡)I
—बाल श्रीकृष्ण कथा	पं० रमाकान्त त्रिपाठी	III-)
—चोखी-चोखी कहानियाँ	श्री बैजनाथ केडिया	II=)
—सचित्र परिभाषा भूगोल	पाण्डेय मुदमंगल शर्मा	I-)I
—कलकत्ता का भूगोल	पं० शिवदेव उपाध्याय	II≡)I
—बाल प्रार्थना	....	I)
—व्यापार गणित ३रा भाग	श्री रामकिशोर अग्रवाल	I)III
—कन्याकौमुदी २री कला	श्री रामदास गौड़ एम० ए०	II=)
—कमला नेहरू	कृष्ण वर्मा	II=)
—हिन्दी लिपि बोध ३रा भाग	....	I)III
—बच्चों का व्याकरण	श्री रुद्र शास्त्री	I-)
—बाल स्वास्थ्य शिक्षा	पं० पारसनाथ चौबे	II)

३री कक्षा (Class III)

बाल वाटिका ३रा भाग या	श्री सूर्यदेव ओझा बी० ए०	१I)
बाल भारती या	पं० राममहेश चौबे	III=)
बाल साहित्य २रा भाग	पं० भुवनेश्वर मिश्र एम०ए०	III-)
बाल रामायण	श्री गिरिजाकुमार घोष	१III)
खेल-खिलौना	ब्रजभूषण प्रसाद	III)
महाराणा प्रताप	श्री विश्वनाथ राय एम० ए०	II=)
शिशु व्याकरण बोध	पं० भुवनेश्वर मिश्र एम० ए०	III-)
भूगोल प्रकृति विज्ञान I	पं० शिवदेव उपाध्याय	१)
हमारे देश की कथा I	श्री वशिष्ठनारायण राय	III-)II